

JANKALYAN NIDHI (Vikas Ratna and Vikas Mitra Yojana)

Bharat Vikas Parishad has completed 50 years of its existence and will celebrate its Golden jubilee in the year 2013. We are proud of the fact that BVP has not only survived the onslaughts of time but has grown and prospered throughout the years.

The foremost condition for an organization not only to survive but to prosper as well is that it should remain grounded in its original vision and ideals and at the same time should change itself with the changing times. A big organization like BVP should be able to participate and solve the problems from local level to the national level. It should be able to establish permanent projects like hospitals, diagnostic centres, schools, etc. and also should have a capacity to bring relief in national disasters like tsunamis, earthquakes, floods etc.

Our members have the will power and determination to come forward and create permanent projects and also to provide relief in the national calamities. But some times the will is there but the organization lacks the matching monetary resources. A huge organization like BVP should have the wherewithals to fulfill its promises. Donations help but they can not always be a dependable source. So, BVP has started two schemes, Vikas Ratna and Vikas Mitra.

Under the **Vikas Ratna** scheme a person who agrees with the ideology and vision of BVP can join the rank of Vikas Ratna by donating a minimum sum of Rs. 100000/- (one lac). Such persons will be honoured by the national office bearers with a Memento, a Shawl and Shripthal in a National Conference or in some other national level function. Their colored photographs along with the spouses will be published prominently in the monthly magazine NITI. In all the national events they will be respectfully invited and given a place of honour. Their colored photographs will be permanently put on Parishad website.

In the second scheme of **Vikas Mitra** people can join the rank by contributing a minimum amount of Rs.11,000/-. They will also be honored at Prant Level with a Scarf, Memento and Shripthal. A seat will be reserved for them in Prantiya and National meetings and Conferences. A list of Vikas Mitras is available on Parishad's website.

Out of the money received from both the schemes, a corpus fund has been created and the principal amount is safe with us and help is given out of the interest received.

Donations to Bharat Vikas Parishad are eligible for income tax exemption under section 80-G of income Tax Act. The DD/cheques should be in the name of Bharat Vikas Parishad payable at Delhi.

For more information, please contact on the following address:-

भारत विकास परिषद्

भारत विकास भवन, बी.डी. ब्लॉक, पावर हाउस के पीछे, पीतमपुरा, दिल्ली-110034

दूरभाष : 011-27313051, 27316049 फैक्स : 011-27314515

ई मेल : bvp@bvpindia.com वेबसाइट : www.bvpindia.com

भारत विकास परिषद् से सम्बन्ध में किसी भी प्रकार की जानकारी के लिए परिषद् की वेबसाइट www.bvpindia.com को देखें।

सम्पर्क ♦ सहयोग ♦ संस्कार ♦ सेवा ♦ समर्पण



भारत विकास परिषद् Bharat Vikas Parishad

जन कल्याण निधि

(विकास रत्न एवं विकास मित्र योजना)



भारत विकास परिषद् प्रकाशन

उत्तिष्ठत जाग्रत * UTTISHTHAT JAGRAT

जन कल्याण निधि

(विकास रत्न एवं विकास मित्र योजना)

भारत विकास परिषद् अपने स्वर्ण जयन्ती (50वें) वर्ष में प्रवेश कर रहा है एवं वर्ष 2013 में हम इसकी स्वर्ण जयन्ती मना रहे हैं। हमारे लिए यह गर्व की बात है कि परिषद् इस लम्बे कार्यकाल में न केवल अस्तित्व में है अपितु निरन्तर उन्नति कर रहा है।

किसी भी संस्था की प्रगति, उसके मूल आदर्शों में केन्द्रित रहते हुए समयानुसार नये-नये कार्यक्रमों को करते हुये स्थानीय समस्याओं से लेकर राष्ट्र व्यापी समस्याओं के निवारण में सक्रिय भूमिका निभाने में ही निहित है। इसमें न केवल स्थायी प्रकल्पों के निर्माण की क्षमता विकसित होनी चाहिए अपितु किसी भी आपातकाल जैसे भूकम्प, बाढ़, अकाल, सुनामी जैसी परिस्थितियों में अपनी सशक्त भूमिका का निर्वहन करने की ताकत भी होनी चाहिए। भारत विकास परिषद् एक राष्ट्र व्यापी संगठन है एवं हमारे आर्थिक साधन तथा जन-शक्ति उसी के अनुरूप होने चाहिए।

भारत विकास परिषद् इस दिशा में निरन्तर प्रयत्नशील है एवं इसे इन प्रयासों में सफलता भी प्राप्त हुई है। देशभर में चल रहे अनेकानेक प्रकल्प एवं कार्यक्रम इसके साक्षी हैं। बहुत कुछ किया जा चुका है किन्तु अभी बहुत कुछ करना शेष है।

दृढ़ निश्चय एवं महत्वाकांक्षी योजनाओं के बावजूद भी प्रायः ही साधनों की कमी

आड़े आ जाती है। परिषद् ने अपने सदस्यों में जन कल्याण के संस्कार का बीजारोपण किया था जो पुष्पित हुआ है। हमारी राष्ट्रव्यापी शाखाओं में देश में संस्कार जनित सेवाओं का एक वातावरण निर्मित हुआ एवं देशवासियों के कल्याण के लिए अनेक योजनाएँ सफलता पूर्वक चल रही हैं। हमने स्वास्थ्य, शिक्षा, पर्यावरण, ग्राम बस्ती विकास जैसे अनेक क्षेत्रों में कार्य का प्रचार-प्रसार किया है एवं इन कार्यक्रमों के क्रियान्वन में हम सफल भी रहे हैं।

किन्तु इन समस्त कार्यक्रमों को एक स्थायी आधार देने की आवश्यकता है। स्थायी आधार देने के लिए दो शतों का पूर्ण होना आवश्यक है। हमारे पास पर्याप्त जनशक्ति हो एवं साथ ही इन कार्यक्रमों को पूर्ण करने के लिए उन्हीं के अनुरूप आर्थिक साधन उपलब्ध हों।

दान की राशियों से कुछ आर्थिक सहायता मिलती रहती है किन्तु वह एक स्थायी एवं निरन्तर उपलब्ध होने वाला धन का स्रोत नहीं है। धन की उपलब्धता को सुनिश्चित बनाने के लिए परिषद् द्वारा दो योजनाएँ चलाई जा रही है। जिनको “विकास रत्न एवं विकास मित्र” के नाम से जाना जाता है।

विकास रत्न योजना लगभग तीन वर्ष पूर्व प्रारम्भ की गयी थी। इस के अन्तर्गत परिषद् के सदस्य तथा उदारमना दानी

महानुभाव जो परिषद् के आदर्शों एवं कार्यक्रमों से सहानुभूति रखते हैं, के द्वारा कम से कम 1 लाख की राशि देकर विकास रत्न के रूप में अपना नामांकन करा सकते हैं। विकास रत्नों को परिषद् के प्रत्येक राष्ट्रीय एवं प्रान्तीय कार्यक्रमों में सम्मान पूर्वक आमंत्रित किया जाता है एवं उनके बैठने के लिए अलग से स्थान सुरक्षित रखा जाता है। उन्हें किसी राष्ट्रीय स्तर के कार्यक्रम में एक सम्मान चिन्ह, शॉल तथा नारियल भेंट करके राष्ट्रीय पदाधिकारियों द्वारा सम्मानित किया जाता है। विकास रत्न तथा उनकी पत्नी का फोटोग्राफ नीति पत्रिका में विशेष स्थान पर छापा जाता है तथा परिषद् की वेबसाइट पर स्थायी रूप से रहता है।

दूसरी योजना में उदारमना दानी महानुभाव कम से कम 11,000 की राशि देकर विकास मित्र बन सकते हैं। इनके लिए शाखा, प्रान्त तथा राष्ट्रीय स्तर पर भी

कार्यक्रमों में सम्मानित स्थान सुरक्षित रहता है। इन्हें भी एक सम्मान चिन्ह, अंग वस्त्र तथा नारियल भेंट किया जाता है तथा राष्ट्रीय एवं प्रान्तीय कार्यक्रमों में ये सम्मानित होते हैं। विकास मित्र की पूरी सूची परिषद् की वेबसाइट पर उपलब्ध है।

विकास रत्न तथा विकास मित्र योजना से प्राप्त राशि बैंक में एफ.डी.आर.स. (F.D.Rs.) एवं भारतीय रिजर्व बैंक के बॉण्ड्स में निवेशित की गई है। इस कॉरपस फण्ड से प्रतिवर्ष जो ब्याज आयेगा वह प्राकृतिक आपदाओं एवं सेवा कार्यों पर व्यय किया जायेगा। इसकी मूल राशि सुरक्षित रहेगी एवं इसे कभी भी खर्च नहीं किया जायेगा।

भारत विकास परिषद् को दान की गई राशि आय कर अधिनियम की धारा 80जी के अन्तर्गत कर मुक्त हैं। चैक या ड्राफ्ट **भारत विकास परिषद्** के नाम से जारी होंगे एवं दिल्ली में देय होंगे।

